

102

2085 I

[illegible]

नानाविधमल्लक्यावद्वृत्तिलिखितमभ्युपगच्छति ॥

अथ ॥ धूर्तवन्नमस्तु ॥

॥ तमेव ॥

दुर्कस्थाय ॥ आश्रय लिङ्गनामानि ॥ नवकमलनाथ ॥
॥ अद्भुतकार्यवाच्यवीजगदयविवर्णवदयानिकदृष्ट
कांतीवर्णनिकयूक्तगदयविवर्णवद्विर्वीजवर्णन ॥
॥ ॐ विन्दत आर्कगिरिकमलतयवर्कवधवाणवर्क

दृष्टाकृष्टनिर्णयकलिसलीमबहुल्लाहियाथ ॥
॥ ॐ तिक्रवी आर्कनिजयायनाणाशुशुक्तवानिअदृष्टव
द्याथ ॥ ॥ ततश्चकुलुलिनीं द्यायदाशानववक्
॥ अष्टदवतामूर्तिव ॥ अष्टमावन्ननाकुलुलिनीं द्या
करुदकमणिसरुसदलशुयवनिवसरुसदल

मृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥
 यथा ॥ श्रीमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥
 तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥
 तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥
 तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥ तदमृगुगृष्टिमावथ ॥

यथा रातिकविधिः समाप्तः ॥

उक्तं ता यजकृष्टि कायनिगमा श्री सिद्धिना श्री यना
 कथं ता यजकृष्टि कायनिगमा श्री सिद्धिना श्री यना
 सीसाना श्री वद ४ खयं कज रुना नि ४ न गं या मका श्री म
 यं श्री म रा उ ज य ग हि गा उ व ४ ॥

१७७ सर्वथा (अथ यथा) निष्ठा ना य दानमववा। इति यथा
 दाह सर्वदिहा गहिना ॥ आनिनी या गविनं ल सर्वमं
 मा गगा ॥ १७७ दं यथं म्हा व क् श्री ना (अथ न दाम म) य
 स्मा सा सनदवी पुन या दार्चनं न ता ॥ सर्व सिद्धि य
 द विनदं व स दा ॥ विना लं या निनी ना पु य वि वि नि
 ग न द क व लि द वि सम या वा त भ त क ॥ १७७ नि स

१७७ मा स म दा हि वि वि र्ग । नि क र्ग य पु द न ना नि नी ना
 १७७ तो ॥ १७७ ता दि य य पि थ । मु य सा ता पु का हि ना ता दा य
 १७७ उ र्द दा हा द ना स वि द र्ग त व ॥ म हा ग्रा त त व ॥ १७७ सर्व सा
 १७७ क न य व ॥ या नि नी था ग य का ना स ग ति र्ग नि सा भ का
 १७७ न क र्म स वा न डा ॥ स र्ग नि क्ति द य ना ॥ सिद्धि य उ का वा
 १७७ स का भ का हि नि सा यि न ॥ न ग न वा थ भ भ वा भ ग वा वा स

धनं । वा यी कू ये कृ द्वा म म नर्म ह म उ त ॥ न न न य द न
न यि व ग ऊ वि वि धा नि च । ग व स र्व यि स र्व य ॥ व स र्व य द न
स द ॥ स न म ग ग य हं ग म्मां स र्व म ग र्ह त य दं । ग स र्व य द न
क र्मा य न्क नि द्वा मि य न्क र्मा ॥ व स र्व य द न न स र्व य द न म म
नि द्वा म म स र्व क र्मा नि सि दि नु स र्व द ॥ वा य म न्क म । नि व स र्व
॥ म म क क न स न म म म ह ॥ ॥ स म य व नि यि य ध र्म

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसिद्धिदेव्याय नमः ॥
नामो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसिद्धिदेव्याय नमः ॥
शुभं कुरुते सर्वदा ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसिद्धिदेव्याय नमः ॥
मूखादुजाद गजुजाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसिद्धिदेव्याय नमः ॥
या कुरुते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसिद्धिदेव्याय नमः ॥





2089

Bill & Mrs. H.

मम॥ ॥ नृपुष्टि॥ नैकी मो ४ मम॥
॥ यो नै १५ ॥ वं ३२ ॥ नृपुष्टि १० ॥
नैकी मो ॥ ॥ जव दव क म न ॥ नैकी मो ॥

॥ यो यत यन म ४ ॥ नैकी मो ॥ कां क न या ला यन म ४ ॥
॥ नृपुष्टि १० ॥ नैकी मो ॥ नृपुष्टि १० ॥

॥ नैकी मो ॥ ॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥
॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥
॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥

॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥
॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥
॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥ नैकी मो ॥

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ गणेशाय नमः ॥

॥ ॐ तिसुलयागयुजा ॥ ॥ गर्थजयाया ॥
 नृश्वगुनं यादुकायुजयामितर्थयामि ॥ यनमगुनं
 ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनायनगुनं ॥ दिव्योय मिद्वोय
 मानोयादिगुनं नतर्थयामि ॥ गिनमिद्विनमं
 ॥ ॥ यवश्चेज्जसनत ॥ नै ३ अमवादीय

॥ कम्पा ॥ यथि ॥ अमिसुखासामायन
 नै ३ यवयतासना ॥ नै ३ वहु ४ य ॥ यनमंष्टीगुनं
 अमिसुखासामायन ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं
 ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं
 ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं
 ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं ॥ यनमंष्टीगुनं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नवमस्तु ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वलिदानं ॥ गच्छेत्तु वलि ॥ अगच्छेत्तु वलि ॥ अगच्छेत्तु वलि ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महानववीतलिः ॥ २ ॥ मूलनवली ॥
धूयदीयेनवद्य ॥ ३ ॥ मूलन ॥ ४ ॥ ३ ॥ ४ ॥
मूलन ॥ ५ ॥ ॥ कर्तन ॥ नमश्च ॥ ६ ॥ ७ ॥
विन्दुविय ॥ ८ ॥ नमः ॥ ९ ॥ नाथयनमः ॥ १० ॥
यनमः ॥ ११ ॥ कुङ्गनाथयनमः ॥ १२ ॥

कां ३ ॥ आनकवलिमन ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥
आनलीन ॥ १६ ॥ कां १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥
लथक ॥ २० ॥ सीकानमूयानवलि ॥ २१ ॥ २२ ॥
२३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥
२९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥

कालाय युजा ॥ नैऋती च पुना धातुसंज्ञका ॥ राक्षसा
यस्यादिर्कलि वसिनिधा यमस्तपुश्च कथाया मानय
गोनुर्यथान्वा सखी विरुवदिति गिव ॥ ६० ॥ अथ नि
धार्त्वनविधिः समाप्तः ॥ ५ ॥ पुरुषसूक्तम् ॥

[illegible]

गुणायथो यद ॥ जे न म ४ अ गुणायद ॥ ॥ अ न
न ॥ जे अ अ वा क गुणायथि का स न या य उ ॥ जे अ म हा य का स
ना य या य उ ॥ जे अ म हा य का स ना य या य उ ॥ य न
जे अ म हा त अ म यी न धी व मि का द्या य ना य ना ॥ न म
मि क ला य वी म क ला मु त वि न हा ॥ य य व का द म पु न
व न य ना इ य गा ॥ य न व पु मि हा य वी म ना न म वि वि

गा ॥ यान य य २ ॥ अ वा रु न म्हा य न म ॥ न म वि वि
न क व वी क न ग या द य अ व म नी य म्हा न ना दि वा य
उ द न मि द्वा दि य य द ॥ ॥ य या अ उ लि
जे अ डां की कुं लां रुं दा किं न म ॥ २ ॥ वां मि ॥ जे अ डां
द द या दि य रुं न ग य उ ॥ ६ ॥ अ व व लि ॥ न म ४ व
वि व न य गा ॥ अ व क य वी या इ कां ॥ क ना न म वि वि

